गेहूँ का सहभागी गुणवत्तायुक्त बीज उत्पादन

के.के. सिंह

कृषि विज्ञान केन्द्र, नगीना, बिजनौर, उ.प्र.

जैसा कि हम अवगत है कि किसी भी फसल में गुणवत्ता युक्त उन्नत प्रजाति का बीज उपयोग करने मात्र से ही उत्पादन में 15 से 20 प्रतिशत तक बढ़ोत्तरी हो जाती है। कृषकों को समय पर गुणवत्तायुक्त बीज की प्राप्ति हेतु स्वतः बीज की उत्पादन करना होगा, इसके लिए कृषकों को सहभागी गुणवत्तायुक्त बीज उत्पादन तकनीकी को अपनाना होगा तथा उत्पादित बीज को आपस में परस्पर सहयोगी रूप में वितरित करना होगा।

गेहूँ बीज उत्पादन के अन्तर्गत बीज की आनुवांशिक, भौतिक एवं अंकुरण क्षमता तथा शुद्धता को बनाए रखने के लिए बीज की बुआई से लेकर कटाई तक अनेक प्रकार की सावधानियाँ अपनानी पड़ती हैं उसमें बीज उत्पादक को मानक विधियों का पालन करना पड़ता है, जिससे उत्पादित बीज अच्छी अंकुरण क्षमता और उच्च कोटि की गुणता वाला हो सके।

गुणवत्तायुक्त बीज उत्पादन हेतु महत्वपूर्ण सुझाव

खेत का चयन

खेत का चयन फसल के वातावरण के अनुरूप हो सिंचाई, जलनिकास की व्यवस्था अच्छी हो तथा सूर्य की किरणे आसानी से पहुंचे।

उपयुक्त प्रजाति का चयन

- अपने क्षेत्र के लिए अनुमोदित किस्मों का ही चयन करें।
- बीज किसी विश्वसनीय और प्रमाणित संस्थाओं से ही प्राप्त करना चाहिए।
- रोगरोधी और कीट प्रतिरोधी प्रजातियों को ही बोयें।
- नवीनतम एवं उन्नतशील किस्मों का ही प्रयोग करें।
- बीज स्वस्थ, शुद्ध और साफ–सुथरा होना चाहिए।
- बीज की अंकुरण क्षमता कम से कम 80–90 प्रतिशत अवष्य हो।

खेत की मिट्टी और सिंचाई जल की गुणवत्ता को ध्यान में रखकर किस्मों का चुनाव करें।

पृथक्करण दूरी

शुद्धता बनाए रखने हेतु एक प्रजाति से दूसरी प्रजाति की बुवाई/रोपाई तीन मी. की दूरी के बाद ही करनी चाहिए।

बीज की मात्रा

बीज दर दानों के आकार, जमाव प्रतिशत, बोने का समय,

क्षेत्र विशेष के लिए संस्तुत प्रजातियाँ निम्नानुसार हैं–

गेहूँ की समय से बुवाई हेतु उन्नत प्रजातियाँ

डब्लू. बी. 02			एच.पी.बी.डब्लू.		01
अनुमोदन वर्ष	:	2017	अनुमोदन वर्ष	:	2017
पौधे की उचाई (सेमी.)	:	97	पौधे की उचाई (सेमी.)	:	97
फसल अवधि (दिन)	:	142	फसल अवधि (दिन)	:	141
उपज (कु./हे.)	:	51.60	उपज (कु./हे.)	:	51.70
उपज क्षमता (कु./हे.)	:	..	उपज क्षमता (कु./हे.)	:	..
विशेषताएं	:	जिंक की मात्रा 42 पी.पी. एम. एवं आयरन की मात्रा 40 पी.पी.एम. पायी जाती है। जोकि सामान्य प्रजातियों की अपेक्षा अधिक है।	विशेषताएं	:	जिंक की मात्रा 40.60 पी.पी. एम. एवं आयरन की मात्रा 40 पी.पी.एम. पायी जाती है। जोकि सामान्य प्रजातियों की अपेक्षा अधिक है।